Vol. 2 No 1

BIHAR LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES

1945

1

OFFICIAL REPORT.

WEDNESDAY, THE 30 TH AUGUST, 1950.

SUPERINTENDENT, GOVERNMENT PRINTING
BIHAR, PATNA.

बिहार विधान सभा वाद-वृत्त

सोमवार, तिथि ११ सितम्बर १९५०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण

सभा का अधिवेशन रांची के सभा वेश्म में सोमवार तिथि ११ सितम्बर, १९५० को २ बजे मध्याह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

तारांकित प्रश्नोत्तर

Starred Question and Answers

दरभंगा जिला में डिस्ट्रिक्ट बोर्ड सड़कों की मरम्मती की आवश्यकता।

(a) *७५। *श्री सुन्दर महतो पासी*:—क्या माननीय मंत्री, स्थानीय स्वायत शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) दरभंगा डिस्ट्रिक्ट बोर्ड को सन १९४८, १९४९ और १९५० में कितना-कितना रुपया किस-किस काम के लिये दिया गया,

(ख) क्या यह बात सही है कि इस जिला की सड़कें इस तरह खराब हो गई हैं कि आदमी तथा सवारी को चलने में काफी कठिनाई होती है, यदि 'हां' तो इसके प्रतिकार के किये सरकार क्या कर रही है?

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा:— (क) विवरण मेज पर रख दिया गया है।

(ख) हां। जिलामें बाढ़ आने से सड़कें डूब जाता हैं। सरकार ने इन सड़कों को पहले जैसी हालत में लाने के लिये १४ लाख ८० हजार रुपया दिया है और उसके एलावे ५ लाख रुपया और दिया है इस तरह २१ लाख रुपया इसकाम में खर्च किया जायगा।

श्री जयनारायण विनीत:—क्या १९४८, १९४९, १९५० में डिस्ट्रिक्ट बोर्ड को दिये गये रुपयों का टोटल नहीं बताया जा सकता है?

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा:— इतना बड़ा एस्टेटमेंट है जिसका विवरण चार पेज में है। मैंने २ रुपये से लेकर २ लाख तक का ब्योरा दे दिया है।

माननीय अध्यक्ष:— ऐसे प्रश्न तो वास्तव में अतारांकित हैं। इसलिये इन पर पूरक प्रश्न नहीं पूछे जा सकते हैं।

पंडित धनराज शर्मा:—क्या सरकार को मालूम है कि दरभंगा डिस्ट्रिक्ट बोर्ड कोयला न मिलने के कारण ईंट नहीं पका सका जिससे ठीकेदारों को ईंटा नहीं मिल सका और पक्की सड़कों की मरम्मत नहीं हो सकी।

(घ) ऐसी बात नहीं है। परन्तु भगवानपुर में या इसके आस पास योग्य डाक्टर हैं। तथा एक सरकारी Ayurvedic Malaria centre और एक जिला बोर्ड का Ayurvedic hospital है।

(ङ) इस प्रकार का कोई प्रस्ताव सरकार के समक्ष नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कुआं बनाने की व्यवस्था।

• १२१। *श्री जगन्नाथ प्रसाद सिंह*:— क्या माननीय मंत्री, जन-स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) ग्रामीण क्षेत्रों में कुएं बनाने के निमित्त शाहाबाद जिला बोर्ड को विगत दो वर्षों में कितने रुपये दिए गए तथा कितने कुएं अबतक बनाए गए हैं;

(ख) क्या यह बात सही है कि इस आवश्यक कार्य में अत्यधिक विलम्ब हुआ है, यदि इसका उत्तर स्वीकारात्मक है, तो उसके कारण;

(ग) चालू वर्ष में कितनी रकम इस जिले को दी गयी है तथा किस एजेन्सी द्वारा इसे वितरित करने की व्यवस्था की गयी है;

(घ) इस काम को शीघ्रता से कराने के लिए सरकार क्या करने जा रही है?

माननीय पं० विनोदानन्द झा—(क) ग्रामीण क्षेत्रों में कुंए बानने के लिए विगत दो वर्षों में शाहाबाद जिला बोर्ड को सरकार द्वारा १,२१,५००) एक लाख इक्कीस हजार पांच सौ रुपये दिये गये जिसमें से सन् १९४८-४९ तक पांच कुंए तैयार हो चुके थे और नौ कुंए १९४९-५० में निर्माण अवस्था में थे, जिस में से भी कुछ कुंओं का निर्माण समाप्त हो गया है।

(ख) हां, इसका मुख्य कारण निर्माण की सामग्रियों की अप्राप्यता है।

(ग) वर्तमान वर्ष में अनुदान नहीं दिया गया है। यह प्रश्न सरकार के विचाराधीन है।

(घ) निर्माण कार्य शीघ्रता से कराने के लिए सरकार आवश्यक सामग्रियों की पूर्ति की व्यवस्था कर रही है। सरकार ने इसे और भी शिघ्रता से कराने के लिए अध्यक्ष महोदय जिला बोर्ड को एक विशेष आदेश द्वारा कुंओं का निर्माण प्रत्यक्ष लाभ उठाने वाले ग्रामीणों द्वारा कराने की आज्ञा दी है। इस सम्बन्ध में निर्माण सम्बन्धी आवश्यक व्यय अध्यक्ष महोदय ग्रामीणों को अग्रीम रूप में दे सकते हैं। जिसका सारा उत्तर दायित्व अध्यक्ष महोदय पर होगा।

श्री जगन्नाथ सिंह :— मैं जानना चाहता हूं कि किन किन मैट्रीयल्स की कमी की वजह से शाहाबाद में कुंए नहीं बन सके।

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा :— कुंए बनाने में तो सिर्फ ईंटा, लोहा और सीमेन्ट की जरूरत होती है। सरकार के पास सिर्फ इतना ही रिपोर्ट है कि बिल्डींगस मैट्रीयल्स की कमी की वजह से कुंए नहीं बन सके हैं। अगर माननीय सदस्य डीटेल्स जानना चाहते हैं तो नोटिस दें।

श्री जगन्नाथ सिंह :— क्या यह बात सही है कि सरकार दूसरे एजेन्सी के द्वारा कुंआं बनाने के बारे में विचार कर रही है।

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा :— यह विचाराधीन है। सरकार पंचायत या अन्यान्य संस्था के जरिये कुंए बनाने के बारे में विचार कर रही है और शीघ्र ही असेम्बली के सामने इस सम्बन्ध में प्रस्ताव आयगी।

श्री जगन्नाथ सिंह :— मैं जानना चाहता हूँ कि रुपये का वितरण बोर्ड के जरिये से किया गया था या दूसरे संस्था के जरिये से?

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा :— परसाल बोर्ड के जरिये से खर्च किया गया था। अब २ लाख ७५ हजार रुपये पंचायत के जरिये से खर्च किया जायगा, जिसको खच करने का authority Director of Gram Panchayat होंगे। Post War Scheme से जो रुपया खर्च नहीं हुआ उसको खर्च करने के लिये District Board P. W. D. और पंचायत में कौन authority होगा, यह विचाराधीन है।

श्री सरदार हरिहर सिंह :— मैं जानना चाहता हूँ सन १९४९-५० में जो नौ कुंए तैयार होने वाली थी उसमें कितने तैयार हुए?

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा :— सन १९४९-५० में चार कुंऐ कम्पलीट हुए और पांच होनेवाला है।

श्री सरदार हरिहर सिंह :— क्या यह बात सही हैं कि शाहाबाद डिस्ट्रीक्ट बोर्ड के पास इस काम के लिये का कोयला मौजूद है या नहीं?

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा :— दूसरे २ सामग्री की कमी है।

श्री सरदार हरिहर सिंह :— क्या यह बात सही है कि शाहाबाद डिस्ट्रीक्ट बोर्ड कन्ट्रैक्टर के मारफत ईंटा बनवाया था या नहीं और वहां सीमेन्ट की कमी है या नहीं?

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा :— ईंटा बनाया था कि नहीं, इसको खबर हमको नहीं हैं, सीमेन्ट की कमी नहीं हैं।

श्री सरदार हरिहर सिंह :— सारे सामग्री के रहते हुए भी कुंआ क्यों नहीं बना?

माननीय पण्डित विनोदानन्द झा :— आप नोटिस दें तो डिटेल्स बताया यगा।

जगजीवन छात्रावास मे रसोई घर बनाने तथा उस में कम्पाउन्ड देने की आवश्यकता

१२२। श्री राम बसावन राम:—क्या माननीय मंत्री, हरिजन कल्याण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि गोपालगंज के श्री जगजीवन छात्रावास (हरिजन) का प्रबन्ध कल्याण विभाग ने अपने अपने हाथों में ले लिया है,